धान, गेहूं तथा दालों की नई-किस्में

2139. **श्री वीरेन जे० शाह :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) यह सच है कि देश में जनवरी, 1990 से जनवरी, 1993 तक धान की 38, गेहूं की 16 और दालों की 40 उन्नत किस्मों का विकास किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार ने विकसित की गई उन्नत नई किस्मों के बीजों की सर्वत्र सहज उपलब्धता के लिए कोई कार्ययोजना तैयार की है, ताकि इनसे खेती की जा सके;

(घ) यदि हां, तो उक्त कार्ययोजना का विस्तृत ब्यौरा क्या है, और

(ङ) विकसित की गई इन नई किस्मों के बीजों को किसानों के उपयोग के लिए कब तक व्यापक रूप से उपलब्ध करा दिया जाएगा ?

गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्त्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री और कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री एस० कृष्ण कुमार): (क) जी, हां ।

(घ) ब्यौरा विवरण में दिया गया है (नीचे देखिए)

(ग) और (घ) जी, हां : भा० कृ०अनु० परिषद् की संस्थायें और भारत में विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के अंतर्गत कार्य करने वाले अनुसंधान केन्द्र सभी किस्मों जिनमें नई रिलीज की गई और अधिसूचित किस्में शामिल हैं, के प्रजनक बीजों का उत्पादन करते हैं। प्रजनक बीजों को बीज निगम/राज्य सरकारों के बीज फार्मों को दिया जाता है, जोकि मूल और प्रमाणित बीजों के उत्पादन के लिए उनका संवर्धन करते हैं । तब प्रमाणित बीजों को किसानों में वितरित किया जाता है ।

(ङ) बीज संवर्धन की अवस्था में हैं और कुछ किस्में वितरण की अवस्था में भी हैं ।

विवरण

फसल का नाम : धान

क्रम संख्या	किस्म का नाम
1	2
1.	शक्तिमान (आई०ई०टी०–7316)
2.	रत्नागिरि–1
3.	रत्नागिरि–2
4.	करजत–1
5.	पालधर–1
6.	पनवेल-2
7.	स कोली–7 (आई०ई०टी०–10651)
8.	एस०वाई०ई०–इ०आर०–(आई०ई०टी०–9296)

1	2
9.	कृष्णावेनी एम0टी0यू0–2077
10.	कुंडालिका
11.	पवन
12.	टेरना
13.	अभय (आई0ई0टी0–10746)
14.	चन्दन
15.	दिव्या
16.	आई0आर0–64
17.	नागार्जुन (आई0ई0टी0–6315)
18.	रवि (आई0ई0टी0–7991)
19.	विभव (आई0ई0टी0–6080)
20.	सी0एस0टी0–7–(आई0ई0टी0–9341)
21.	हरियाणा बासमती–1 (एच0के0 आर0–228 इ0टी0 10367)
22.	वी0एल0धान–221 (बी0आर0एस0–221–1–3–2–2)
23.	पी0एम0के0–1
24.	पी0वाई0–4
25.	टी0पी0एस0–1
26.	सी0ओ0–45
27.	सी0आर0–1002 (आई0ई0टी0–5890)
28.	लुनिश्रो
29.	जी0आर0–5
30.	जी0आर0–103
31.	अम्बिका
32.	लचित (टी0टी0 बी0–14–1)
33.	चेलाराई (टी0टी0बी–15–1)
34.	आई0ई0टी0–6666 (लक्ष्मी)
35.	पी0एन0आर0–381 (आई0ई0टी0–9208)
36.	अजय (आई0ई0टी0–8585)
37.	नरेन्द्र धान–97
38.	इंटान

फसल का नाम : गेहूं

1	2
1.	एच0पी0–1493
2.	के0आर0एल0 1–4
3.	एच0डी0आर0–77
4.	डब्ल्यू0एच01–416
5.	गुजरात वीट–496
6.	गुजरात वीट–503
7.	एच0डी0–2501
8.	मालविय वीट–318
9.	एम0ए0सी0एस0–2496
10.	पी0डी0डब्ल्यू0–215
11.	संगम (सी0पी0ए0एन0–3004)
12.	डब्ल्यू0एच0–542
13.	एच0एस0–277
14.	एच0एस0–295
15.	आराधना (एच0पी0डब्ल्यू0–42)
16.	सोनाली (एच0पी0–1633)

दालें :

क्र०सं०	किस्म का नाम	कुल
मटर :		
1.	जवाहर मटर–6	
2.	जे0पी0–885	
3.	आजाद पी0–2	3
लोबिया :		
1.	गुजरात काउपी–3	
2.	यू0पी0सी–4200	
3.	बुन्देल लोबिया–1 (यू0एफ0सी0–8401)	
4.	काउपी–88	4

क्र०सं०	किस्म का नाम	कुल
चना :		
1.	हरियाणा चना संख्या–1	
2.	फुले जी०–12	
3.	जे०जी०–74	
4.	आर०एस०जी०–44	
5.	उदय (के०पी०जी०–59)	
6.	सदा बहार	
7.	भारती (आई०सी०सी०वी०–10)	7
मूंग :		
1.	आर०एम०जी०–62	
2.	ए०डी०टी०–3	
3.	सी०डी०–5	
4.	नरेन्द्र मूंग–1	
5.	फुले एम०–2	
6.	ए०ए०यू०–34	
7.	एम०यू०एम०–2	
8.	बी०एम०–4	8
अरहर :		
1.	आई०सी०पी०एच०–8 (संकर)	
2.	जे०ए०–4	
3.	गुजरात तूर–100	
4.	गुजरात वेजिटेबल तूर–100	4
मसूर :		
1.	जे०एल०–1	
2.	सपना (एल०एच०–84–8)	
3.	बी०एल ०मसूर–4	3
उड़द :		
1.	बसंत बहार (पी०डी0यू०–1)	
2.	कृष्णनैया (एल०बी०जी०–17)	
3.	प्रभाव (एल०बी०जी०–402)	
4.	तेजा (एल०बी०जी०–20)	

1	2	3
	5. वामबन–1	
	6. ए०डी०टी०–4	
	7. ए०डी०टी०–5	
	8. टी०पी०यू०–4	8
राजमा :		
	1. मालविया राजमा–137	
	2. एच०पी०आर०–35	2
कुलथी :		
	1. के०एस०–2	1
		कुल : 40

कृषि व्यापार सहायता संघ

2140. श्री वीरेन जे० शाह :
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार का देश में छोटे किसानों के हितों के संरक्षण हेतु "कृषि व्यापार सहायता संघ" की स्थापना का प्रस्ताव था ;

(ख) यदि हां, तो उक्त योजना का ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार ने उक्त योजना के कार्यान्वयन के संबंध में अन्तिम निर्णय ले लिया है; और

(घ) यदि हां, तो उक्त संघ की स्थापना कब तक कर दिये जाने की संभावना है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) जी, नहीं ।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठते।

कृषि-उत्पादन

2141. श्री वीरेन जे० शाह :
श्री राम जेठमलानी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार देश में अधिकांश कृषि-उत्पादन वर्षा पर निर्भर है; अतः देश में कृषि-उत्पादन को बढ़ाने के लिए एक नया दृष्टिकोण अपनाये जाने की आवश्यकता है ;

(ख) यदि हां, तो कृषि-उत्पादन में वृद्धि के लिए नए दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए नई तकनीकी और प्रणाली का सुझाव देने हेतु क्या सरकार ने किसी विशेषज्ञ दल की नियुक्ति की है ;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(घ) यदि इस प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं की गई है तो इसके क्या कारण है और भविष्य में इस दिशा में कब तक कदमउठाए जाने की संभावना है ?